अलीगढ़ में 11 हजार करोड़ के निवेश की उम्मीद

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश की आगामी ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी (जीबीसी-5) की तैयारियों में जुटे अलीगढ़ को इस बार बड़े निवेश की उम्मीद है। दिसंबर के आखिरी सप्ताह में लखनऊ में होने वाली यूपी ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (यूपीजीआईएस) के जरिये जिले में 11 हजार करोड़ रुपये के निवेश की उम्मीद है।

जिले में अब तक 56 निवेशकों ने कुल 4360 करोड़ रुपये के एमओयू (समझौता ज्ञापन) पर हस्ताक्षर किए हैं। इन प्रस्तावों में प्रमुख रूप से पर्यटन और हाउसिंग (आवास) क्षेत्र शामिल

ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी की तैयारियों में जुटे उद्यमी, लक्ष्यों की होगी समीक्षा

हैं। पर्यटन क्षेत्र में 10 निवेशकों ने 242 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव दिए हैं। हाउसिंग परियोजनाओं में 487 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इसमें अलीगढ़ में 300 करोड़ रुपये का निवेश हाउसिंग सेक्टर में आया है।

निवेश के लक्ष्यों को समय पर हासिल करने और एमओयू को ग्राउंड पर उतारने के लिए प्रशासन सक्रिय है।

निवेशक अलीगढ़ में निवेश के लिए आगे आ रहे हैं। नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए जमीन देखी जा रही है। रोड से कनेक्टिविटी, परिवहन, लॉजिस्टिक सुविधाएं सहित सभी पहलुओं को देखा जा रहा है।
- वीरेंद्र कुमार, महाप्रबंधक, जिला उद्योग केंद्र

20 नवंबर को कलेक्ट्रेट में एक बैठक होगी। इसमें छह विभागों उद्यान, एमएसएमई (सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम), पर्यटन, एडीए, यूपीएसआईडीसी और कृषि विभाग के अधिकारियों को दिए गए निवेश के लक्ष्यों की सघन समीक्षा की जाएगी।

नए निवेशकों के लिए नए औद्योगिक क्षेत्र : नए निवेशकों के लिए नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने के लिए जमीन की उपलब्धता भी देखी जा रही है। जिन कंपनियों ने निवेश के प्रति रुझान दिखाया है, उनमें कुछ कंपनियां एयरक्राफ्ट के पार्ट्स भी बनाती हैं। अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट से निकटता ने अलीगढ़ को निवेश के लिए बेहतर स्थान बनाया है। इसकी यमुना एक्सप्रेस वे से भी नजदीकी है। ब्यूरो